कुल पृष्ठ संख्या–32 (कवर पेज सहित) क्रम संख्या....

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

उच्च माध्यमिक परीक्षा

(परीक्षार्थी द्वारा स्वयं भरा जाना चाहिये)

Candidate's Roll No. In English

(In Figures)

(In Words) ------------------------------------

परीक्षार्थी का नामांक हिन्दी में

शब्दों में ------------------------------------

नोट :– परीक्षार्थी उपरोक्त के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम – हिन्दी ✓ अंग्रेजी

विषय हिन्दी

परीक्षा का दिन शनिवार

दिनांक 9/03/19

नोट :– परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :– (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य हैं, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।

(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत्त करें।

(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदारणार्थ : 15 ¼ को 16, 17 ½ को 18, 19 ¾ को 20)

प्रश्नवार प्राप्तांकों की सारणी
(परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1		19	
2		20	
3		21	
4		22	
5		23	
6		24	
7		25	
8		26	
9		27	
10		28	
11		29	
12		30	
13		31	
14		योग	
15		प्राप्त अंकों का कुल योग (Round off)	
16		अंको में	शब्दों में
17			
18			

परीक्षक के हस्ताक्षर ....

संकेतांक

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तिका के निर्माण में 58 जी.एस.एम. क्रीमवोव कागज ही उपयोग में लिया गया है।165/2019

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका पृथक से उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशंषा पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न–पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न–पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी।
   (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जायेगी।
   (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर–पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिये। परीक्षार्थी उत्तरपुस्तिका प्राप्त करते ही पृष्ठ संख्या की जांच कर लें यदि पृष्ठ कम/अधिक या क्रम में नहीं हैं तो वीक्षक से तुरन्त बदलवा लें।
   (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, कलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रोनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध है।
   (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ न लिखकर लावें। टेबुल के आस–पास कोई अवैध सामग्री नहीं होनी चाहिये, इसकी जांच कर लें।
   (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोडकर शेष सभी विषयों के प्रश्न–पत्र हिन्दी–अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित है। किसी भी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	1	(अ) एक साहित्यकार का आदर्श "कर्मशक्ति", 'कर्मभाव' होना चाहिए। एक साहित्यकार को अपने कर्म के साथ पक्षपात एवं संकीर्णता नही करना चाहिए। साहित्यकार को अपने कर्म के प्रति पूर्णतः कर्मनिष्ठ होना चाहिए। वर्तमान साहित्यकारों मे इसका अभाव है।
		(ब) धार्मिकता का अभिमान रखने वालेकी स्वच्छन्दाचारी ईश्वर की दया का अधिकारी हो सकता है। धार्मिकता का अभिमान रखने से वह व्यक्ति दूसरे धार्मिक व्यक्तियो को अपने से हीन एवं तुच्छ ही समझेगा। वह अपने अहंकार स्वयं को सबसे ऊँचा धार्मिक व्यक्ति मानने लगेगा। इस कारण वह ईश्वर की दया का पात्र नहीं हो सकता।
	2	(अ) उन्नति के संदर्भ में मनुष्य की विशेषता है कि मनुष्य गिरकर भी उठता है। असफलता मिलने पर भी निराश नही होता। अपना प्रयास नही छोडता और अपने सामर्थ्य पर विश्वास रखकर आगे बढ़ता जाता है। अन्त मे वह अपनी मंजिल को पाकर ही दम लेता है।
		(ब) प्रस्तुत काव्यांश हमें यह प्रेरणा देता है कि मनुष्य को कभी हार नहीं मानती चाहिए। असफलताओं से निराश नही होना चाहिए। ठोकरे उन्नति के मार्ग में अवश्य होंगी पर उनसे संघर्ष कर आगे बढते रहना चाहिए। गिरकर फिर उठ जाना चाहिए। अन्तमें व्यक्ति सफलता अवश्य प्राप्त कर लेता है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

3\. (अ) भाषा विस्तृत क्षेत्र में बोली जाती है। इसका अपना व्याकरण होता है, लेकिन बोली सीमित क्षेत्र में बोली जाती है। इसका अपना व्याकरण नहीं होता।

(ब) भाषा के दो रूप निम्न है — 1. लिखित रूप
2\. मौखिक रूप।

4\. (अ) वाह! - 1. अव्यय, विस्मयादिबोधक अव्यय।

(ब) रोज - 1. अव्यय, क्रियाविशेषण अव्यय. कालवाचक क्रियाविशेषण अव्यय।

5\. उपर्युक्त वाक्य में लक्षणा शब्द शक्ति है।
परिभाषा - जब मुख्यार्थ मे बाधा होने पर रूढ़ि अथवा प्रयोजन के कारण मुख्यार्थ से संबंधित अन्य अर्थ लक्ष्यार्थ ग्रहण किया जाए, वहाँ लक्षणा शब्द शक्ति होती है।
इसके लिए तीन बातें आवश्यक है -
1\. मुख्यार्थ में बाधा
2\. लक्ष्यार्थ का मुख्यार्थ से संबंध
3\. रूढ़ि अथवा प्रयोजन का मूल मे होना।

6\. उपर्युक्त वाक्य में विरोधाभास अलंकार है।
परिभाषा - जब दो वस्तुओं मे विरोध न होने पर भी उसमें अर्थ करने पर विरोध दिखाई पड़े, वहाँ विरोधाभास अलंकार होता है।
इसमें काले रंग मे वस्तु काली होगी लेकिन यहाँ श्रीकृष्ण के काले रंग मे रंगने पर हृदय और अधिक

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

उज्ज्वल हो जाता है।

7 (अ) पात्र
(ब) राजपत्र

अधिसूचना
8. राजस्थान राजपत्र
राजस्थान सरकार
उद्योग विभाग, जयपुर

क्रमा० - 121/14/19 दिनांक-4 मार्च 2019

राजस्थान सरकार केन्द्रीय अधिनियम 1956 की धारा 21 की उपधारा (2) के अनुसार राज्यपाल के आदेशानुसार खादी ग्रामोद्योग शुरू करने जा रही है। इच्छुक व्यापारी, राजस्थान सरकार, उद्योग विभाग, जयपुर मे अपना शुल्क पत्र जमा करवाकर परमिट प्राप्त कर सकते हैं।

भवदीय
उद्योग सचिव
(हस्ताक्षर)

9. स्वास्थ्य ही श्रेष्ठ धन है

1. प्रस्तावना - 'स्वास्थ्य' मनुष्य के लिए सबसे अनमोल होता है। स्वस्थ मनुष्य ही हर कार्य मे चुस्त होता है। उसका शारीरिक एव मानसिक दोनो तरह का विकास उपयुक्त तरीके से होता है। स्वास्थ्य के बिना मनुष्य का किसी काम मे मन नही लगता। वर्तमान मे मनुष्य स्वस्थ रहने के लिए बहुत कुछ कर रहा है, लेकिन वर्तमान मे उसने पर्यावरण को

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

इतना प्रदूषित कर दिया है कि उसके स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। इसलिए मनुष्य को अपने स्वास्थ्य के प्रति पूर्णतः सजग होने की जरूरत है।

2 स्वस्थ शरीर की आवश्यकता, क्यों?

मनुष्य को स्वस्थ शरीर की नितान्त आवश्यकता है। एक स्वस्थ व्यक्ति के शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क निवास करता है। शरीर स्वस्थ होगा तो व्यक्ति अपने लिए, अपने परिवार के लिए एवं समाज के लिए उपयोगी बन सकेगा वह हर कार्य में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेगा एवं राष्ट्र के लिए भी उपयोगी साबित होगा। आज राष्ट्र को ऐसे ही शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ स्त्री एवं पुरुषों की आवश्यकता है, जो राष्ट्र के विकास में अपना योगदान देकर उसे उन्नति के पथ पर अग्रसर करें। स्वस्थ व्यक्ति हर कार्य को पूरे मन से करता है। वह किसी पर बोझ भी नहीं बनता। स्वस्थ शरीर से ही व्यक्ति अपने विकास के समुचित अवसर पैदा कर अपना लक्ष्य सुनिश्चित करेगा।

3 हर क्षेत्र में आगे- स्वस्थ व्यक्ति हर क्षेत्र में चाहे वह खेल-कूद हो, शिक्षा का क्षेत्र हो चाहे अन्य कोई क्षेत्र हो हमेशा आगे ही रहता है। वह अपनी मेहनत से हर प्रसिद्धि प्राप्त करता है। अपना ही नहीं अपने परिवार का भी नाम रोशन करता है।

4. स्वास्थ्य के लिए स्वच्छ भोजन- स्वास्थ्य के लिए यह बहुत जरूरी है कि व्यक्ति स्वच्छ एवं पौष्टिक भोजन करे।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

भोजन के साथ-2 उपयुक्त व्यायाम भी करे। रोगो से बचा रहें।
स्वस्थ व्यक्ति की सोच भी हमेशा सकारात्मक होती है तथा वह हर व्यक्ति की सहायता भी करता है।
5. उपसंहार - इस प्रकार हम कह सकते ~~भी~~ है कि स्वास्थ्य ही श्रेष्ठ धन है। इस अमूल्य धन के बिना मनुष्य कुछ भी नही कर सकता। और बिना इसके वह नीरस बन जाता है। व्यक्ति को अपने स्वास्थ्य का उचित एवं पूरा ध्यान रखना चाहिए।

10. प्रसंग- प्रस्तुत पद्यांश कवि भूषण द्वारा रचित 'वीररस के कवित्त' मे से उद्धृत है। इसमे कवि ने वीर शिवाजी की प्रशंसा एवं उनके राज्य विस्तार के बारे मे चर्चा की है।
व्याख्या- कवि भूषण कहते है कि जिस प्रकार नागो या साँपो के समूह पर गरुड़ का अधिकार होता है, हाथियो के झुण्ड पर सिंह का आतंक छाया रहता है तथा पहाडो या पर्वतो पर इन्द्र का आधिपत्य रहता है और सभी पक्षियो के झुण्ड पर बाज का अधिकार होता है उसी प्रकार कवि भूषण कहते है कि नौ खंडो और पूरे मंडल मे वीर शिवाजी का ही आधिपत्य है। सभी ओर उनकी ही महिमा है।
1. भाषा सुन्दर एवं अलंकृत शब्दावली प्रयुक्त हुई।
2. विभिन्न उपमानो का प्रयोग हुआ है तथा शिवाजी की महानता दर्शाई गई है।

11. प्रसंग- प्रस्तुत गद्यांश जैनेन्द्र कुमार द्वारा रचित निबंध 'बाजार दर्शन' से उद्धृत है। इसमे लेखक ने बाजार की सार्थकता पर टिप्पणी की है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

व्याख्या - लेखक जैनेन्द्र कुमार कहते है कि वह मनुष्य जो यह जानता है एवं जिसके मन मे उपयोगी एवं आवश्यक वस्तु लेने का दृढ़ विश्वास है, वही मनुष्य बाजार को सार्थकता प्रदान करते है। वे व्यक्ति जो नही जानते कि उन्हें क्या चाहिए एवं जो व्यर्थ की चीजे खरीदते है एवं अपनी 'पर्चेजिंग पावर' यानि क्रय शक्ति का दुरुपयोग करते है वे बाजार को सार्थकता प्रदान करने की बजाय उसे विनाशक शैतानी शक्ति ही प्रदान करते है। ऐसे लोग सिर्फ बाजार का बाजारूपन बढ़ाते है भाव बाजार मे बाजारवाद, लूट-खसोट, मनमाना मूल्य वसूलना आदि का बढ़ावा देते है। इससे व्यापरी एवं ग्राहक के बीच प्रेमभाव एवं सद्भावना घटती जा रही है। बाजार लोगों का शोषण कर रहे है।

1. भाषा व्यंग्यात्मक प्रयुक्त हुई।
2. बाजारवाद की निन्दा की गई है।

12 सहजता एवं सरलता से जीवन जीने मे जो खुशी मिलती है वह खुशी बाह्य तड़क-भड़क मे नहीं, बल्कि अन्तर की दृढ़ता मे है। यह बात एकदम सटीक है। "तौलिए" एकांकी मे इसी को ही प्रमुख रूप से उभारा गया। वर्तमान मे बाहरी तड़क-फड़क के लिए खासकर मध्यवर्गीय परिवारो मे इस तरह का बाहरी पाखंड चल रहा है। पाश्चात्य संस्कृति के अंधानुकरण से बाहरी दिखावे पर अधिक ध्यान ~~दिखावा~~ दिया जाता है तथा फिजूलखर्ची की जाती है। 'तौलिये' एकांकी मे मधु ऐसी ही औरत वह घर मे हजामत के लिए, नहाने के लिए, हाथ साफ करने के अलग-अलग तौलिए रखती है। इतना ही नही वह मानती

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

है कि दूसरे का तौलिया इस्तेमाल करने से बीमारी फैलती है। बसन्त ऐसा नहीं सोचता, वह एकदम सीधा-साधा है तथा रोगप्रतिरोधक क्षमता को ही रोगों के फैलने का असली कारण मानती है। एकांकी मे मधु अपने आपको उच्चकुलीन एवं अधिक सभ्य, सफाईपसन्द दिखाने के नाम पर अनेक आडम्बर अपनाती है। वह इसे अपना संस्कार मानकर स्वयं को अधिक दिखाने का प्रयत्न करती है। बसन्त ऐसा नही है वह तो अन्तर की दृढ़ता मे विश्वास करता है तथा ऐसे आडम्बरों को कोरा दिखावा मानता है। वह सरल एवं सहज जीवन जीने को ही श्रेष्ठ मानता है।

13 'उषा' कविता शमशेर बहादुर सिंह की एक नयी कविता है। इसमे शमशेर बहादुर ने उषा या प्रातः काल का सुन्दर चित्रण किया है। कवि ने बिम्बात्मक शैली अपनाकर प्रातः काल का सुन्दर चित्रण किया है। वह वर्णन करते हुए कहता है सर्वप्रथम काले आकाश मे पूर्व की ओर से कुछ उजाला सा दिखता है। वह धीरे-धीरे सभी ओर फैल जाता है। धीरे-धीरे कुछ गहरा प्रकाश फैलता है तथा सूर्य का सारथी अरुण जैसे ही नि उदयाचल के शिखर पर आरूढ़ होने लगता है, उसकी लालिमा चारो ओर फैल जाती है। यह ऐसा लगता है मानो काली सिल को केसर से धो दिया गया हो। उसके बाद यह प्रकाश कुछ और गहरा होता है तथा पीला प्रकाश चारो ओर फैलता है तथा अपनी स्वर्णिम आभा से सभी को स्वर्णिम बना देता है। तब ऐसा लगता जैसे यह राख से लीपा हुई गीला चौका हो। उसके बाद सूर्य अपने पूर्ण रूप मे निकलकर पूरे संसार को प्रकाशमय बना देता है तथा सभी पेड़-पौधे, एवं जीव जन्तु आलोकित

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

हो जाते है। तब यह सूर्य नीले जल मे किसी की गौर झिलमिल देह की भाँति लगता है। इसक प्रकार प्रात: कालीन दृश्य अत्यंत ही सुन्दर एवं सौम्य लगता है। कवि ने प्रात: काल का अत्यंत रोचक सुन्दरता से वर्णन किया है।

14 "हरि अरजण रै हेत, रथ कर हॉक्यो राजिया" प्रस्तुत काव्य पंक्ति मे कवि कृपाराम खिड़िया ने मित्र की आवश्यकता बताई कवि बताते है कि सच्चा मित्र हमारे कहे कि सारे काम देता है, चाहे वह काम बडा हो या छोटा। कवि उदाहरण देते हुए कहते है कि जिस प्रकार भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी मित्रता के लिए अर्जुन के साथ सारथि बन कर उसका रथ चलाया था।

15 जब श्रीकृष्ण गोपियो के साथ थे तब सभी कुंजे, लताएँ, शीतल समीर, यमुना का तट, चन्द्रमा गोपियो को आनंददायक लगती थी लेकिन कृष्ण के वियोग मे ये सभी कुछ उन्हे संतापदायक लगता है। उन्हे चन्द्रमा की शीतल रोशनी भी सूर्य की उष्ण किरणो के समान लगती है। गोपिया कृष्ण के विरह मे तड़प रही है।

16 मेहनतकश मजदूरो की मजदूरी का मूल्य केवल उन्हे श्रम के बदले धन देकर नही चुकाया जा सकता। उसने अपने शरीर के समस्त अवयव हमे समर्पित कर वह कार्य पूर्ण सेवाभाव से किया था इसका मूल्य तो प्रेमभाव से ही चुकाया जा सकता है। उसके साथ प्रेमभाव व कृतज्ञता के साथ ही उसका मूल्य चुकाया जा सकता है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

17 लेखक ने कई लोगो से सुन रखा था कि कौसानी स्विट्जरलैण्ड का अहसास कराता है। जब वह स्वयं कौसानी गया तो वहाँ का प्राकृतिक सौन्दर्य, अतुलित था। वहाँ नदियाँ उसके पास लगे पेड़-पौधे एवं हिमालय की शुभ्र एवं स्वच्छ हिम उसे अतीव आनन्दायी लगे तथा उसे वह स्विट्जरलैण्ड के समान ही ठण्डा एवं सुन्दर लगा।

18 कवि हरिवंश राय बच्चन का जन्म इलाहाबाद मे एक ~~करि~~ प्रतिष्ठित कायस्थ परिवार मे हुआ। इन्होने ~~इलाह~~ इलाहाबाद से ही अपनी प्रारम्भिक शिक्षा प्राप्त की तथा वही पर विद्यालय मे प्राध्यापक बने। इनकी साहित्य के प्रति रुचि बचपन से ही थी। इन्होने अध्यापन के साथ ही 'भविष्य' 'अभ्युदय' 'चाँद' आदि पत्रिकाओ के सम्पादन कार्य मे सहयोग दिया। पहले ये कहानीकार के रूप में 1932 मे सामने आए। उसके बाद गद्य रचना का क्षेत्र बदलकर पद्य क्षेत्र मे कदम रखा। उस समय छायावाद का अवसान हो रहा था। इन्होने अपने व्यक्तिगत जीवन तथा मध्यवर्गीय विक्षुब्ध लोगो की वाणी को आवाज दी। इस प्रकार ये क्रांतिकारी सुर वाले कवि बने।

रचना- इनका पहला काव्य संग्रह 'तेरा हार' है परन्तु इसके बाद रचित 'मधुशाला' से ही इनकी प्रसिद्धि हुई तथा ये साहित्य मे हालावाद के प्रवर्तक बने। इनके अन्य काव्य संग्रह इस प्रकार है - । 'प्रारम्भिक रचनाएँ भाग एक और दो', 'मिलन यामिनि', 'आकुल अंतर', 'सतरंगिणी', 'निशा निमंत्रण', 'सूत की माला', 'बुद्ध और नाचघर', 'आरती और अंगारे', 'प्रणय पत्रिका', 'मधुकलश' इनकी प्रसिद्ध रचनाएँ है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

19 नायिका नायक को पत्र इसलिए नहीं लिख पा रही है क्योंकि कमजोरी के कारण उसके हाथ काँप रहे है। साथ ही वह अपने हृदय की बात को कागज पर लिखने मे समर्थ नहीं है क्योंकि उसे लज्जा आती है। वह कहती है कि उसका हृदय (प्रेमी) उसके (प्रेमिका) हृदय की बात स्वयं समझ लेगा।

20 "अब तुम इसका मकान बनाओ या महल, मैं अपने चिर-विश्राम-गृह मे जाती हूँ।" ये वाक्य ममता ने अकबर के सैनिकों से कहे जब वे उस स्त्री को ढूंढते हुए आए थे, जिसने हुमायूँ की सहायता की थी। ऐसा ममता ने इसलिए कहा क्योंकि उस समय वह अपने जीवन की अन्तिम श्वासे गिन रही थी और किसी भी वक्त अपनी देह त्याग सकती थी।

21 प्रस्तुत वाक्य सूबेदारिनी ने जमादार लहना सिंह से कहे थे। जब लाम पर जाने को तैयार लहना सिंह हजारा सिंह के घर पहुंचा तो लहना सिंह को पहचान कर सूबेदारिनी ने उसे विनती ~~कि~~ की कि "जिस प्रकार तुमने मेरी जान बचायी थी उसी प्रकार ~~अब~~ मेरे पति और पुत्र की रक्षा करना।" "यह मेरी भिक्षा है। तुम्हारे आगे आँचल पसारती हूं।" इस प्रकार पति और पुत्र की रक्षा के लिए उसने ऐसा कहा।

22 गाँधी जी ने भारतवासियों की गरीबी एवं भुखमरी को देखते हुए खादी का मार्ग सुझाया। उन्होंने माना कि खादी से भारतवासियों की भुखमरी खत्म होगी तथा

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

वे आत्मनिर्भर बनेंगे तथा इससे स्वराज्य का मार्ग पुष्ट होगा। गाँधी जी ने पालमपुर व काठियावाड़ से करघा लाकर उसे आश्रम मे चलाना सीखा था खादी की शुरुआत की।

23. ऐसा महादेवी ने कहा था। जब उसे पता चला कि ग्वाले ने ईर्ष्यावश गौरा को मारने के लिए गुड़ मे सुई खिला दी थी। भारत को गायो का देश एवं भारतवासी स्वयं को गोपाल कहते हैं। यह गायो के साथ क्रूर मजाक है। गौरा को ले जाते समय इस भाव से महादेवी व्यथित एवं अत्यंत विचलित थी। महादेवी को गौरा बहुत प्रिय थी तथा वह उसकी इस पीड़ाजनक मृत्यु पर अत्यंत विक्षिप्त थी।

24. पूज्य गोविन्द गुरू का जन्म एक बनजारा परिवार मे हुआ था। इन्होंने आदिवासी भीलों के जीवन को सुधारने के लिए अत्यंत प्रयत्न किए। इन्होंने स्वाधीनता संग्राम मे सामंतो एवं जमींदारों का विरोध ही नही किया बल्कि पिछड़ी आदिवासी जनता को जागरूक भी किया। इन्होंने उनमे शिक्षा के जागृति, मद्य-माँस निषेध, सामंतो के प्रति विरोध की भावना तथा उनमे चरित्र को श्रेष्ठ बनाने के लिए प्रयत्न किया। इस उद्देश्य से '1913' मे "मानगढ़ पहाड़ी" पर सैंकड़ो आदिवासी भील एकत्रित हुए थे। देशद्रोहियों ने अंग्रेज सरकार के कान भरे तथा 'कर्नल शटल' ने वहां गोली बारी करा दी जिससे "1500" लोग मारे गए। इससे पूज्य गोविन्द गुरु को गिरफ्तार कर लिया गया तथा पहले फांसी तथा फिर कालापानी की सजा फिर उम्रकैद तथा अन्त मे श्रेष्ठ आचरण के आधार पर रिहा कर दिए गए। गोविन्द गुरु ने 'सम्प सभा' की स्थापना की थी।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

सूरजमल राव राजा बदन सिंह के पुत्र थे। ये भरतपुर मे जन्मे थे। राव राजा बदन सिंह के ज्येष्ठ पुत्र होने के कारण ये राजा बने। इन्होने महाराजा शिवाजी की तरह मुगलो से युद्ध ही नही किया बल्कि उन्हे पराजित भी किया। इन्होने "मीरबख्शी सलावत खाँ" पर सिंह सपट्टा मारकर उसे आत्मसमर्पण के लिए मजबूर करदिया तथा उससे ऐसी शर्ते मनवायी जो भारतीय आदर्शों के अनुकूल थी- 1 मुगल सेना पीपल के वृक्ष नही काटेगी।
2. मुगल मन्दिरो एवं देवालयो का कोई क्षति नही पहुचाएगे।

इसप्रकार इन दोनो ही भक्त एवं वीरो ने अपने श्रेष्ठ कार्यो से भारतीय संस्कृति एव गौरव को बढ़ाया।

25. वर्तमान मे लेखन अभिव्यक्ति कासबसे सशक्त माध्यम इलेक्ट्रॉनिक माध्यम है। इलेक्ट्रानिक माध्यम मे इन्टरनेट एवं सोशल मीडिया के द्वारा कोई भी व्यक्ति कम्प्यूटर का तकनीकी ज्ञान प्राप्त कर अपने विचार ब्लॉग या सोशल साइट्सपर शेयर कर सकता है। यह माध्यम सस्ता एवं आसानी से उपलब्ध होने वाला है। वर्तमान मे इसका प्रचलन बहुत अधिक हो गया है।

26. फीचर किसी विषय का रोचक, संवेदनशील, मनोरंजक एवं मानवीय रुचि के अनुसार लिखा होता है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

लेख मे किसी विषय की गूढ एवं गहन जानकारी दी जाती है। फीचर मे रोचकता एवं मनोरंजकता होती है जबकि लेख नीरस होते है। लेख मे किसी एक विषय की ही पूरी गहनतम जानकारी दी जाती है।

27. पत्रकारिता के अनेक क्षेत्र है। इसमें वाणिज्यिक पत्रकारिता, खेल पत्रकारिता, विज्ञान पत्रकारिता, फिल्मो से संबंधित पत्रकारिता आदि।
खेलो से संबंधित पत्रकारिता मे खेलो की ही सम्पूर्ण जानकारी रहती है। उसके लिए पत्रकार को खेलो के नियम तथा खेलो की तकनीकी भाषा का ज्ञान होना चाहिए। खेल को खेल की भावना से खेलो इस तरह की भावना का प्रसार करना चाहिए।

28. रिपोर्ताज किसी आँखो देखी या सुनी घटना का संवेदनात्मक कल्पनात्कमक एवं तथ्यात्मक वर्णन होता है। जब लेखक किसी देखी या सुनी घटना को अपनी संवेदनात्मक अनुभूति के साथ कुछ कल्पनात्मक बनाकर तथ्यो के अनुरूप लिखता है तो उसे रिपोर्ताज कहते है। रिपोर्ताज रिपोर्ट से भिन्न होता है।

विशेषताएँ
1. रिपोर्ताज मे लेखक की स्वय की संवेदनामयी अनुभूति छिपी होती है।
2. यह पूरी तरह से तथ्यो परन टिका होकर कुछ

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

कल्पनात्मक भी होता है।
3. रिपोर्ताज मे रिपोर्ट की भाँति केवल तथ्यो को नही उभारा जाता बल्कि उस घटना को लोगो के दिलो तक पहुचाने के लिए उसमे कुछ और संवेदनाओ तथा विचारो का जोडा जाता है।
4. रिपोर्ताज व्यक्ति के हृदय को छूकर उस घटना के प्रति दूसरो को भी भांवनिक तौर पर विचलित करता है।
5. रिपोर्ताज किसी घटना का भवात्मक, कलात्मक विवरण होता है।

29. साहित्य मे डायरीलेखक का बहुत अधिक महत्व है। यह हिन्दी साहित्य का नया रूप है, जो वर्तमान मे काफी प्रचलित है। डायरी मुख्यत: निम्न प्रकार की होती है - 1 व्यक्तिगत डायरी 2. वास्तविक डायरी 3. काल्पनिक डायरी 4. साहित्यकडायरी।
डायरी लेखन से व्यक्ति को अपने जीवन की प्रमुख घटित घटनाओ से प्रेरणा लेकर कुछ नया करने के लिए प्रोत्साहित करता है। डायरी लेखन से हमे पता चलता है कि हमने अपने जीवन मे क्या खोया क्या पाया। डायरी लेखन से हम यह जान सकते है कि हम पहले की अपेक्षा कितने परिपक्व हुए है। डायरी लेखन से हम अपने भूतकाल मे की गई गलतियो से सीख ले सकते है। इससे पहले अनुभव की गई किसी इच्छा को भविष्य मे दुबारा जी सकते है। इससे व्यक्ति के जीवन का ब्योरा बन जाता है तथा साहित्यकारो की डायरियो से उनके विषय मे हमे पर्याप्त जानकारी भी मिलती है। डायरी लेखन 'डायरी के फटे पन्ने', 'मेरी डायरी' आदि प्रमुख डायरीयाँ है।

समाप्त

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-164/2018